

क्यों छिप के बैठते हो परदे की क्या जरूरत लिरिक्स



क्यों छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत,
भक्तों को यूँ सताने की,
भक्तों को यूँ सताने की,
अच्छी नहीं है आदत,
क्यों छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत। bdi

तर्ज - दुनिया ने दिल दुखाया।

माना की मुरली वाले,
बांकी तेरी अदा है,
तेरी सांवरी छवि पे,
सारा ये जग फ़िदा है,
लेकिन हो कारे कारे,
लेकिन हो कारे कारे,
ये भी तो है हकीकत,
क्यों छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत। bdi

टेढ़ी तेरी छवि है,
तिरछी है तेरी आँखे,
टेढ़ा मुकुट है सर पे,
टेढ़ी है तेरी बातें,
करते हो तुम क्यों सांवरे,
करते हो तुम क्यों सांवरे,
भक्तों से ये शरारत,
क्यों छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत। bdi

हमको बुला के मोहन,
क्यों परदा कर लिया है,
हम गैर तो नहीं है,
हमने भी दिल दिया है,
देखूँ मिला के नजरें,
देखूँ मिला के नजरें,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



क्यो छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत।bd।

दिलदार तेरी यारी,
हमको जहां से प्यारी,
तेरी सांवरी सलोनी,
सूरत पे 'रोमी' वारि,
परदा जरा हटा दो,
परदा जरा हटा दो,
कर दो प्रभु इनायत,
क्यो छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत।bd।

क्यों छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत,
भक्तों को यूँ सताने की,
भक्तों को यूँ सताने की,
अच्छी नहीं है आदत,
क्यो छिप के बैठते हो,
परदे की क्या जरूरत।bd।

Singer – Sardar Romi Ji
